ISSN 2278-8808
UGC APPROVED SR. NO. 45269
SJIF 2016 = 6.177
An International Peer Reviewed & Referred
SCHOLARLY RESEARCH JOURNAL
FOR INTERDISCIPLINARY STUDIES

राष्ट्रीय मूल्य तथा मानवाधिकार अभिवृत्ति मापनी

शिरीश पाल सिंह, Ph. D.

सह प्रोफेसर, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

वर्धा, (महाराष्ट्र)– 442001

Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

राष्ट्रीय मूल्यों तथा मानवाधिकारों के प्रति भावी अध्यापकों तथा सेवारत अध्यापकों की अभिवृत्ति के मापन के लिए अनुसंधायक ने स्वनिर्मित मापनी निर्माण का निर्माण किया। अभिवृत्ति मापनी के निर्माण के सम्बन्ध में आगे विवरण प्रस्तुत किया जा रहा है।

(1) मापनी निर्माण के सोपान : अभिवृत्ति मापनी, अभिवृत्ति से सम्बनधित कथनों का संकलन होती है। अतः किसी भी अन्य प्रमापीकृत मनोवैज्ञानिक परीक्षण की भांति इसमें भी सावधानीपूर्वक तैयार किये गये, सम्पादित किये गये, तथा चुने गये कथनों को सम्मिलित किया जाता हैं, मापनी निर्माण के चार मुख्य सोपान है :– (1) विषयवस्तु का चयन करना (2) कथनों को तैयार करना (3) कथनों का चयन करना (4) मापनी का मूल्यांकन करना। मापनी की रचना के समय निम्नलिखित बातों पर ध्यान दिया गया है।

(1) कथन वर्तमान परिस्थितियों से ही सम्बन्धित हैं।

(2) भ्रम पैदा करने वाले या ऐसे कथनों का चयन नहीं किया गया है जिनके एक से अधिक अर्थ निकलते हों।

(3) कथन यथासंभव छोटे रखे गए हैं।

(4) एक कथन में केवल एक पूर्ण विचार समाहित किया गया है।

इस मापनी के निर्माण में अनुसंधायक ने पहले अभिवृत्ति सम्बन्धी विषयवस्तु का चयन किया। चयन के लिए लगातार 6 मास तक सम्बन्धित सामग्री का अध्ययन किया। अध्ययन के लिए स्थानीय पुस्तकालयों के अतिरिक्त नई दिल्ली स्थित एन.सी.ई.आर.टी., नेशनल यूनिवर्सिटी. ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन, आई.सी.एस.एस.आर., तथा सेन्टर फॉर दि स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसायटी राजपुर रोड़ दिल्ली (सी.एस.डी.एस.), भारतीय बाल विकास परिषद्, राष्ट्रीय महिला आयोग तथा इण्डियन सोशल इन्स्टीट्यूट के पुस्तकालयों में अध्ययन किया तथा वहां से सम्बन्धित सामग्री की फोटो प्रतियां प्राप्त की तथा नोट्स लिए। अनुसंधायक को यह कोई खेद नहीं है कि कहीं पर भी हिन्दी में भाषा विषय से सम्बन्धित सामग्री उपलब्ध नहीं हो सकी। अध्ययन तथा उनके हिन्दी अनुवाद के साथ ही अनुसंधायक

ने विषय से सम्बन्धित कथनों का निर्माण प्रारम्भ कर दिया। इस प्रकार लगातार 6 मास के परिश्रम के बाद उपकरण के लिए कथनों के चयन का कार्य पूरा हो गया।

कथनों को टाइप कराकर 10 छात्राध्यापकों तथा 10 साथी अध्यापकों से कथनों की भाषा को शुद्ध तथा सरल करने के लिए सहयोग लिया गया। विषय विशेषज्ञों तथा अपनी निदेशक से अन्तिम प्रारूप पर सम्मति लेने के लिए उन्हें पूरे उपकरण को पढ़कर सुनाया तथा बीच–बीच में उनकी सलाह के अनुसार संशोधन किए। संशोधन के बाद अभिवृत्ति मापनी में 110 कथन रखे गये । इन कथनों पर अध्यापकों के अभिमतों को जानने के लिए 100 छात्राध्यापकों पर प्रशासित किया गया। प्राप्त प्राप्तांकों के आधार पर 27 प्रतिशत उच्चतम अंक प्राप्तकर्ता तथा 27 प्रतिशत निम्नतम अंक प्राप्तकर्ता अध्यापकों के अभिवृत्ति मापनी के प्रत्येक कथन पर मध्यमान अंक तथा प्रमाप विचलन ज्ञात किए गए। सभी कथनों पर प्राप्त क्रान्तिक अनुपात सार्थक पाये गये। कम क्रान्तिक अनुपात वाले 10 कथनों को अभिवृत्ति मापनी से निकाल दिया गया।

इस प्रकार अन्तिम अभिवृत्ति मापनी 100 कथन रह गए। इसके बाद उपकरण को प्रिन्ट कराया गया। प्रिन्ट कराने के लिए दो बार अशुद्धियों का निराकरण करके पृष्ठों को आवश्यकतानुसार सेट कराने का कार्य किया गया। इस प्रकार उपकरण के प्रकाशन का कार्य पूरा हुआ।

खण्ड 'क' में उत्तरदाताओं से संबंधित सामान्य जानकारी प्राप्त की गई है। इसमें 1.नाम 2. विद्यालय/महाविद्यालय का नाम 3. उच्चतम शैक्षिक योगयताएं 4.आयु वर्ग 5. धर्म 6. शिक्षण विषय वर्ग 7. लिंग 8. परिवेश 9. जातिवर्ग 10 सेवारत या भावी अध्यापक 11. सेवारत है तो शिक्षण अनुभव वर्षो में, जाना गया है।

खण्ड ग, अभिवृत्ति मापन के लिए है। यह लिकर्ट–पद्धति की अभिवृत्ति मापनी है। इसमें निर्देशों के बाद 100 कथन दिए गए हैं। इन कथनों का उत्तर देने के लिए 5 अभिमत–श्रेणियाँ बनाई गई हैं। ये अभिमत श्रेणियां हैं– पूर्ण सहमत, आंशिक सहमत, अनिश्चित, आंशिक असहमत तथा पूर्ण असहमत। यह अभिवृत्ति मापनी 5 पृष्ठों में है। अन्त में धन्यवाद है। प्रकाशित उपकरण की प्रतिलिपि परिशिष्ठ–एक में प्रस्तुत है।

अभिवृत्ति सम्बन्धी कथनो का क्षेत्रानुसार वर्गीकरण

उपकरण में अभिवृत्ति सम्बन्धी कथनो की संख्या 100 हैं। ये कथन मानवाधिकार तथा राष्ट्रीय मूल्यों के 26 क्षेत्रों से हैं कुछ कथन एक से अधिक क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। विभिन्न क्षेत्रों के वितरण को सारणी 1 में प्रस्तुत किया गया है।

सारणी 1 अभिवृत्ति सम्बन्धी कथनों का क्षेत्रानुसार वितरण

क्र.सं.	क्षेत्र का नाम	कथनों की क्रम संख्या	योग
1.	अहिंसा	89, 90	2
2.	अस्तेय	43, 87, 92	3
3.	सत्य	75, 88	2
4.	शान्ति	31, 96	2
5.	मानवता	36, 74, 82	3

6.	आत्मविश्वास	11, 32,	2
7.	वैज्ञानिक अभिवृत्ति	9, 38, 47, 69, 71	5
8.	समता	2, 4, 27, 35, 48, 51, 85	7
9.	एकता	29, 3.	2
1..	पंथ निरपेक्षता	1, 17, 18, 33, 79	5
11.	पर्यावरण संरक्षण	3, 20, 37, 52, 65, 68	6
12.	परिवार कल्याण	21, 22, 23,	3
13.	संस्कृति	19, 28	2
14.	लोकतन्त्र	10, 93, 100	3
15.	राष्ट्रीयता	60, 66, 73, 94	4
16.	समाजवाद	–	–
17.	अन्तर्राष्ट्रीय सद्भाव	34, 50, 73, 96	4
–	**राष्ट्रीय मूल्य क्षेत्र**	**योग**	**55**
18.	बालाधिकार	5, 38, 39, 46, 54, 55, 56, 63, 64, 67,70, 72, 86, 95, 99	15
19.	महिलाधिकार	2, 4, 7, 8, 12, 13, 14, 15, 41, 44, 45, 46, 49, 58, 59, 61, 62 76, 77, 80	20
20	वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार	–	–
21.	श्रमिकों के अधिकार	25, 26, 42	3
22.	विकलांगों के अधिकार	53, 55, 57	3
23.	समाजिक न्याय	16, 25, 40, 84, 91, 97, 98	7
24.	जीवन का अधिकार	81, 83, 78	3
25.	नैसर्गिक न्याय	6, 13, 24	3
26.	सूचना का अधिकार	43	1
–	मानव अधिकार क्षेत्र	**योग**	**55**
मूल्य तथा मानवाधिकार क्षेत्र		**कुल योग**	**110**
दो से अधिक क्षेत्रों के कथन		2, 4, 13, 25, 38, 43, 46, 55, 73, 96	10

अभिवृति मापनी में पक्ष तथा विपक्ष में कहे गए कथन

अभिवृति मापनी में पक्ष तथा विपक्ष के कथनों के क्रमाकों को सारणी 2 में प्रस्तुत किया गया हैं

सारणी– 2 अभिवृत्ति मापनी में पक्ष तथा विपक्ष के कथनों के क्रमांक

पक्ष में कहे गए कथनों के क्रमांक	विपक्ष में कहे गए कथनों के क्रमांक
4, 7, 11, 13, 16, 18, 19, 20	1, 2, 3, 5, 6, 8, 9, 10, 12, 14, 15, 17
21, 24, 25, 26, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40,	22, 23, 27,
41, 43, 44, 45, 46, 50. 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 60	42, 47, 48, 49, 58, 59
61, 62, 63, 64, 65, 67, 68, 70, 73, 74, 75, 76, 78	66, 69, 71, 72, 77, 79, 80
82, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 96, 97, 98	81, 83, 93, 94, 95, 99, 100
योग 65	योग 35

प्रयुक्त उपकरणों की वैधता

जब परीक्षण अपने उद्देश्यों की पूर्ति करता है, तब उसे वैध परीक्षण (Valid test) कहते है तथा परीक्षण की इस विशेषता को वैधता कहते है। वैधता किसी भी परीक्षण की एक अत्यन्त आवश्यक विशेषता है।

गैरट के अनुसार – ''किसी परीक्षण या किसी मापन उपकरण की वैधता, उस यथार्थता पर निर्भर करती है, जिससे यह उस तथ्य को मापता है, जिसके लिए उसे बनाया गया है।''

अनुसंधायक ने अपनी अभिवृत्ति मापनी को यथासंभव वैध बनाने का प्रयास किया है। उपकरण की वैधता के निर्धारण के लिये सर्वप्रथम विषय विशेषज्ञों एवं शिक्षाविदों को उपकरण का प्राइमरी ड्रॉफ्ट भेजा गया तथा उनके सुझाव मांगे गये। जिससे उपकरण की विषयगत वैधता (Contant Validity) का निर्धारण किया जा सके। साथ ही उपकरण के निर्माण के लिए पूर्वनिर्धारित समस्त सोपानों का अक्षरशः पालन किया गया, ताकि उपकरण की तार्किक वैधता (Logical Validity) का निर्धारण किया जा सके। प्रयुक्त उपकरण में निम्नलिखित गुण है जोकि मापनी की वैधता को सिद्ध करते हैं।

(1) **व्यापकता :**

अभिवृत्ति मापनी में 100 कथन है। इन कथनों में से 55 कथन राष्ट्रीय मूल्यों के 16 क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व कर रहें है तथा 55 कथन मानवाधिकारों के 9 क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। 10 कथन दो क्षेत्रों से सम्बन्धित हैं इस प्रकार स्पष्ट है कि मापनी में राष्ट्रीय मूल्यों एवं मानवाधिकारों के लगभग सभी क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने का प्रयास किया गया हैं अर्थात मापनी व्यापकता का गुण लिए है जो कि वैधता निर्धारण का एक प्रमुख तत्व है।

(2) कथनों की वैधता : कथनों की वैधता के सम्बन्ध में यह कहते हुए संकोच होता है कि स्वयं कठिन परिश्रम के साथ कथनों के निर्माण में अनुसंधायक सर्तक रहा है तथा इनकी भाषा को विषय विशेषज्ञों, भाषाविदों तथा शिक्षाशास्त्रियों के सहयोग से सुधारा है।

(1) कथनों की भाषा को सरल तथा सुग्राह्य रखा है।

(2) कोई भी कथन द्विअर्थक नहीं है।

(3) कथन स्पष्ट है तथा सरल भाषा में है।

(4) सभी कथनों का अभिप्राय स्पष्ट है।

(5) कथन इस प्रकार के है कि अनिश्चितता की स्थिति कम आई है।

(6) पक्ष तथा विपक्ष के कथनों को समान रखने का प्रयास किया गया है। कुल मिलाकर 57 प्रतिशत कथन पक्ष में है तथा 43 प्रतिशत कथन विपक्ष में है। यह अन्तर भी इसलिए आया है ताकि सामान्य रूप से कहे गये की भावना बनी रहे, उन्हें जबरदस्ती पक्ष या विपक्ष की ना बनाया जाये।

(7) कथनों के प्रकाशन से पूर्व कई विद्वानों ने जांचा परखा है तथा इनमें सुधार हेतु शिक्षाविदों, शिक्षा अनुसंधानों में निष्णात, मूल्य शिक्षण विशेषज्ञों, शिक्षक प्रशिक्षकों के सुझाव लिए गये है।

(8) प्रकाशन सम्बन्धी अशुद्धियों का निराकरण बड़ी सर्तकता से किया गया है ताकि प्रूफ रीडिंग में अशुद्वियाँ न रह जाए।

अभिवृत्ति मापनी का कथन 95, बिना मय के प्रेम नहीं होता अतः बच्चों को डरा धमका कर रखना चाहिए तथा प्रत्यक्षण मापनी का कथन 58–मां, बाप को यह अधिकार है कि वे बच्चों को मारपीट कर डरा धमका कर सही रास्ते पर लायें। ये दोनों कथन लगभग एक ही अभिप्राय को स्पष्ट करते है।। दोनों कथन विपक्ष में है।

मापनियों की विभेदकता

किसी परीक्षण का यह गुण माना जाता है कि वह प्रयोज्यों की श्रेणियों का निर्धारण कर सके अथवा उनमें विभेद कर सकें। हमारे परीक्षण की विभेदकता का स्पष्टीकरण निम्नलिखित तथ्यों से प्रकट हो रहा है :–

1 इसी तरह अभिवृत्ति मापनी में अंकों के आधार पर बनाये गये वर्गान्तरों के आवृत्ति वितरण से स्पष्ट हो रहा है कि अभिवृत्ति मापनी में विभेदकता का गुण विद्यमान है सारणी 3 का अवलोकन करने पर विदित होता है कि क्रान्तिक अनुपात 37.34 है जो कि 0.001 स्तर से अधिक स्तर पर सार्थक है। अर्थात इन वर्गो में उच्च स्तर की विभेदकता हैं।

सारणी 3

चर	उच्च वर्ग	निम्नवर्ग
संख्या	135	135
मध्यमान	1112.90	101.60
प्रमाप विचलन	1.599	3.132
क्रान्तिक अनुपात = 37.34 सार्थक		
सार्थकता स्तर = 0.001		

2 अभिवृत्ति मापनी की विभेदकता जानने के लिए समस्त अध्यापकों के अभिवृत्ति मापनी पर आये अंकों को उच्च अंकों से निम्न अंकों की ओर सूचीबद्ध करके उनमें से 27 प्रतिशत उच्च अंक प्राप्तकर्ता तथा 27 प्रतिशत निम्न अंक प्राप्तकर्ता उनके बीच क्रान्तिक अनुपात की गणना की गई प्राप्त सांख्यिकीय मूल्यों को सारणी 6 में प्रस्तुत किया गया हैं। सारणी 4 का अध्ययन करने पर विदित होता है कि उच्चवर्ग तथा निम्नवर्ग के अंकों में पारस्परिक क्रान्तिक अनुपात उच्च स्तर का है जो 0.001 स्तर से भी अधिक पर सार्थक है।

सारणी– 4 अभिवृत्ति मापनी पर उच्चतम अंक प्राप्तकर्ता 27 प्रतिशत अध्यापकों तथा निम्नतम अंक प्राप्तकर्ता 27 प्रतिशत अध्यापकों के अंकों में पारस्परिक सहसमबन्ध।

चर	उच्च वर्ग	निम्नवर्ग
संख्या	135	135
मध्यमान अंक	447.31	78.45
प्रमाप विचलन	10.041	22.119
क्रान्तिक अनुपात = 37.34 सार्थक		

सार्थकता स्तर = 0.001 से अधिक

अभिवृत्ति मापनी की आन्तरिक विभेदकता : अभिवृत्ति मापनी की आन्तरिक विभेदकता का अध्ययन करने के लिए समस्त अध्यापकों के अभिवृत्ति अंकों को श्रेणी क्रम में व्यवस्थित करके उनमें से उच्च अंक प्राप्तकर्त्ता 27 प्रतिशत अर्थात 135 तथा निम्नतम अंक प्राप्तकर्त्ता 27 प्रतिशत का चयन किया गया। उच्च वर्ग तथा निम्नवर्ग के अध्यापकों के प्रत्येक कथन पर प्राप्त प्राप्ताकों का मध्यमान तथा प्रमाप विचलन ज्ञात किया गया तथा इन सांख्यिकी मूल्यों के आधार पर क्रान्तिक अनुपात की गणना की गई। अभिवृत्ति मापनी पर उच्चर्ग तथा निम्नवर्ग के अध्यापकों के क्रान्तिक अनुपात को सारणी 5 में प्रस्तुत किया गया है।

इस सारणी का अध्ययन करने से विदित होता है कि सभी कथन के बीच उच्च वर्ग और निम्न वर्ग के मध्यमानों में सार्थक स्तर का अन्तर है और यह अन्तर .001 से भी अधिक स्तर पर सार्थक है। जिससे स्पष्ट होता है कि प्रत्येक कथन की विभेदकता उच्च स्तर की हैं।

सारणी– 5 अभिवृत्ति सम्बन्धी कथनों की विभेदकता

उच्च अंक प्राप्तकर्त्ता 27 प्रतिशत तथा निम्नतम 27 प्रतिशत अंक प्राप्तकर्त्ता अध्यापकों को प्रत्येक कथन पर प्राप्त अंकों के मध्यमान तथा प्रमाप विचलन के आधार पर गणना किया गया क्रान्तिक अनुपात।

श्रेणी क्रम	क्रान्तिक अनुपात	कथन संख्या	श्रेणी क्रम	क्रान्तिक अनुपात	कथन संख्या
1	403.209	38	51	83.515	94
2	277.198	36	52	81.75	2
3	343.177	78	53	80.147	50
4	234.299	86	54	79.359	77
5	194.237	30	55	78.832	23
6	192.821	90	56	77.318	25
7	185.063	35	57	76.50	87
8	184.967	37	58	75.724	51
9	183.239	82	59	71.602	52
10	178.962	89	60	67.818	76
11	173.515	65	61	67.403	11
12	172.158	74	62	67.301	22
13	171.666	75	63	66.508	49
14	166.123	34	64	62.197	92
15	162.227	55	65	61.773	19
16	157.049	33	66	61.67	8
17	156.522	91	67	60.76	1
18	155.29	88	68	60.73	88
19	155.29	64	69	60.222	41
20	152.382	14	70	58.861	31
21	148.798	20	71	58.678	15
22	146.022	84	72	58.202	69
23	142.613	44	73	57.28	80
24	140.91	32	74	55.984	9
25	138.811	16	75	54.703	47
26	138.077	60	76	53.757	39
27	131.193	67	77	53.364	46

28	129.238	29	78	51.936	100
29	126.494	53	79	51.628	40
30	122.155	61	80	51.055	71
31	119.876	97	81	50.708	17
32	115.734	96	82	50.701	17
33	113.475	54	83	50.506	48
34	112.526	45	84	50.101	5
35	111.634	98	85	49.422	95
36	111.214	7	86	49.26	27
37	109.076	79	87	49.224	93
38	108.972	24	88	48.261	42
39	105.58	13	89	47.60	85
40	105.247	6	90	45.298	4
41	97.732	62	91	44.297	72
42	96.794	68	92	42.945	56
43	93.459	26	93	42.072	58
44	92.974	57	94	41.924	28
45	92.357	18	95	39.571	59
46	91.29	21	96	39.562	99
47	90.953	43	97	38.961	81
48	89.272	10	98	38.953	3
49	88.042	70	99	32.809	12
50	85.932	63	100	32.62	83
	समस्त क्रान्तिक अनुपात .001 से.मी. से भी उच्च स्तर पर सार्थक हैं				

उपकरण की विश्वसनीयता

विश्वसनीयता का शाब्दिक अर्थ विश्वास करने की सीमा से है। अतः विश्वसनीय परीक्षण वह है जिस पर विश्वास किया जा सके। यदि किसी परीक्षण का प्रयोग बार–बार उन्हीं व्यक्तियों पर किया जाये तथा वे व्यक्ति हर बार समान अंक प्राप्त करें, तो परीक्षण विश्वसनीय कहा जाता हैं। परीक्षण की विश्वसनीयता का सम्बन्ध उससे मिलने वाले प्राप्तांकों के स्थायित्व से रहता है। परीक्षण की विश्सनीयता ज्ञात करने की अनेक विधियां हैं। जैसे–परीक्षण पुनर्परीक्षण विश्वसनीयता विधि, तार्किक समतुल्यता विश्वसनीयता विधि, तथा अर्द्धविच्छेदी विश्वसनीयता विधि। उपरोक्त विधियों में से विश्वसनीयता ज्ञात करने के लिए हमने अर्द्धविच्छेद विधि का प्रयोग किया है। परीक्षण को दो भागों में विभक्त करने के लिए दो प्रकार हो सकते हैं– (1) प्रथम अर्द्धांश तथा द्वितीय अर्द्धांश (2) सम तथा विषम क्रमांकों के आधार पर समसंख्यक अर्द्धांश तथा विषमसंख्यक अर्द्धांश। क्योंकि हमारे प्रथम अर्द्धाश में सेवारत अध्यापक है तथा द्वितीय अर्द्धांश में प्रशिक्षणार्थी है। अतः हमने सम विषम क्रमाकों के आधार पर सह सम्बन्ध गुणाकों की गणना की है।

सारणी– 6 अभिवृत्ति मापनी के विश्वसनीयता गुणांक

क्र0 सं0	चर	पियरसन सह–सम्बन्ध गुणांक	अर्द्ध विच्छेदी विश्वसनीयता गुणांक
1.	राष्ट्रीय मूल्य अभिवृत्ति मापनी	0.310	0.473
2.	मानवाधिकार अभिवृत्ति मापनी	0.362	0.531
3.	सम्पूर्ण अभिवृत्ति मापनी	0.356	0.525
सभी सह सम्बन्ध गुणांक .001 स्तर पर सार्थक है।			

सारणी 6 का अवलोकन करने पर विदित होता है कि मापनी के समस्त भागों तथा सम्पूर्ण मापनी का पारस्परिक सह सम्बन्ध गुणांक उच्च स्तर का है तथा धनात्मक है ये समस्त सह सम्बन्ध गुणांक .001 स्तर पर सार्थक है।

संदर्भ ग्रंथ

Agarwal U.C. (2007) : *उत्तर प्रदेश में ग्रामीण पिछड़ों एवं गरीबों के कल्याणार्थ संचालित योजनाएं, प्रतियोगिता दर्पण दिसम्बर 2004.*

Agarwal U.C. (2007) : *बच्चों के मौलिक अधिकार तथा उनके क्रियान्वयन की चुनौतियां, प्रतियोगिता दर्पण जनवरी 2007.*

अरिमपूर, जॉय (1992) *: स्ट्रीट चिल्ड्रेन ऑफ मद्रास–ए सिचुएशनल एनॉलिसिस, बास्को इन्स्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क, नोएडा, वी.वी. गिरी राष्ट्रीय श्रम संस्थान, 78 पृष्ठ।*

असोशिएसन फॉर डेवलपमेंट (2002) *: न्यू दिल्ली ए–स्टॅडी ऑन दि प्रोब्लम्स ऑफ स्ट्रीट एण्ड वर्किंग चिल्ड्रेन लिविंग एट रेलवे स्टेशन इन दिल्ली, नई दिल्ली*

Bajpai, Amita (2007) : *Indian Jour of Edu. Research 26-2.*

Balakrishanan, R (1994): *The Sociological Context of Girls' Schooling: Micro Perspectives from Delhi Slums in Social Action, 44 (July-September) 1994.*

Balasbramarian, R. (Ed.) 1992 : *Tolerance in Indian Culture New Delhi. Indian Philosophical Research.*

Barua, B. (2003) : *Jour. of All India Association for edu. Research Vol. 15, 3-4.*

Basu , D.D. (2003) : *Human Right in constitutional Law New Delhi Law Publishers, II Edition.*

Bee, H. (1978) : *The Developing Child, New York* ***: Harper & Row Publishers.***

Binsala, P (2008) : *Miracle of Teaching June 2008.*

Best, John W. (1986) : *Research in Education, New Delhi Prentice Hall.*

Beckett,Chris(2007): *Child Protection-an Introduction. New Delhi SAGE Publications. www.sagepublication.com.*

Bhagia, N.M. (1980) : *Promoting Attitudes and Values through Environmental Studies. Naya Shikshak, Rajasthan Bikaner, 23 (2), 9-21.*

Bhandari,Geeta& others (2003) DCWC *Research Bulletin July-SEP 2008*

Bhargava, R. (1998): *Secularism and its cities, New Delhi, Oxford University, Press.*

Bhaskara, R.D. (1997) : *Scientific attitude, New Delhi, Discovery Publishing House. Education, 25-26(4-1), 39-43.*

Black, M (1994) : *Children First: The Story of UNICEF, Past and Present, Oxford University Press.*

Blue, Julia (2005) :): DCWC Research *Bulletin Jan-Mar.2007*

Chandrashekhar,T.*S&Others.(2001):* ***DCWC*** *Research Bulletin Apr-JUN 2007*

Chakarborti, S. (2004) : *Jour. of Soci. & Dev. Jan.-June.*

ChandraKumar, P.*S. (1994)* ***: NCERT VI Surrey.***

Chaturvedi (2001) : *sixth Surrey NCERT.*

*Cha****udhary.B&Kishor,Ajaya(2004):): DCWC*** *Research Bulletin Jul-Sep..2004.*

Chaudhary, M. & Kaur, P. (1997) : *Impact of Home Environment on moral Values of children. Indian Educational Abstract 2.35. (Full article in Praachi Jour. of Psycho-cultural Dimensions, 9(1), 39-43)*

Chaudhary, R. (2004) : *Jou. of Psy. Resea. Vol. 48 (1).*

Chaudhary, S.K. (2006) : *भारत में मानवाधिकार विधियां अनेक जागरूकता शेष, सिविल सर्विस क्रोनिकल सितम्बर 2006.*

Centre for Communication and Development (2007): DCWC *Research Bulletin Oct.-DEC 2007*

Committee for legal aid to poor (2006): **DCWC Research** *Bulletin Apr-Ju.2007*

CRY(2001):*The Indian Child,2001.Child Relief and You,Mumbai,189/A Sane Guruji Marg Anand Estate.(www.cry.org.)*

CRIN: *Child Right Information Network c/o Save The Child.1 Sant John, Lane London ECIMAAR London.U.K. www.crin.org*

Day, Anuradha & others (2005):*D C W C Jan.-Mar.2008.*

Delhi Child Club(2004): DCWC *Research Bulletin July-SEP 2004*

***दिल्ली चाईल्ड राइट्स क्लब (2004)** : हाउ सेफ एण्ड चाइल्ड फ्रैन्डली इज़ दिल्ली फॉर चिल्ड्रन नई दिल्ली।*

Dass, A.R; Naidu, R.V.K; Sridhar, M. (2003) : *Edutract (209) May 2003.*

Dhanda, V. & Nath, M. (1994) : *Prachi Jour. of Psycho-Cultural Dimentions vol. 10C 1 , 1981*

Diwan, Rasmi (1993): *Sixth Survey of Edu. Research NCERT.*

Diwan, Rasmi (2002) : *DCWC Research Bulletin Apr –Jun 2007*

Dow, U (1998): *Birth Registration: The First Right IN UNICEF Progress of Nation 1998. New York. UNICEF*

Dubey (1992) : *Fourth Survey of Edu. Reach. NCERT.*

Dubey, L.N. Gyni, S. (1993) : *विभिन्न विषय वर्गों के अध्यापकों में वैज्ञानिक अभिवृत्ति का अध्ययन, भारतीय शिक्षा शोध पत्रिका जन–जून 1993.*

Durkheim, E. (1953) : *Moral Education, New York* **:** *Free Press of Glencoe.*

Dutta, N. (1996) : *Ph.D. Thesis of Kalyani Uni.*

Edword, Landon (1991) : *Encyclopedia of Human Rights, London Francis Inc.*

Ebrahim,G. J,(1985) :*Social and Community Pediatrics in developing Countries Caring for the Rural and Urban Poor Macmillan.*

Ehlers, H. (1977) : *Crucial Issues in Education, New York* **:** *Holt, Rinehart and Winston.*

Gandhi, Jagdish (2006) : *आज की शिक्षा की चुनौतियां..... । प्रतियोगिता दर्पण जुलाई*

***गणेश अरविंद (1996)** : पुलिस अब्यूज एण्ड किलिंग ऑफ स्ट्रीट चिल्ड्रन इन इंडिया न्यूयार्क : ह्यूमन राइट्स वाच।*

Gangani Rajesh (2006): *Status of Children in India .New Delhi Cyber Tech Publication.*

Garret, E. Henry (2004) : *Statistics in Psychology & Education. New Delhi, Paragon International Publishers, Dariyaganj.*

Geetha,C.V& Bhaskar,G (1993) *:Education for human rights and democracy. Simla,Indian Institute of Advance Studies, Workshop.*

Giri,K (1995):*Safe Motherhood Strategies in the Developing Countries in H M Wallace, Giri, K and Serrano, C V (eds) Health Care of Women and Children in Developing Countries, Oakland C A: Third Party Publishing Company .*

Goldbrick, D.M. (1991) : *Human Rights, its Role in development of International conversant on Civil & Political Rights. Oxford Uni.*

Gotam, Ramesh Prasad; Singh, Prithivipal (2001) : *भारत में मानवाधिकार सागर, विश्वविद्यालय प्रकाशन, परकोटा रोड*

Govt. of India:

: Report of committee on Emotional Integration, Ministry of education, 1962.

: Report of the committee for review of National policy of education 1986, 1990.

: Report of the committee on Religious and Moral. Instruction. Ministry of Education. 1959.

: Report of the Education commission on education and National Development 1964-66. Ministry of education. 1966.

: Report of the National Policy on education (1986) Ministry of Human Resource Dev.

: The Pre Conception and Pre Natal Diagnosis Techniques (Prohibition of Sex Selection) ACT No 57 of 1994 Amendment vide 14 of 2003.Dated 14-2-2003.

: The Pre Diagnostic Technique (Regulation & Prevention of misuse) Rule 1996 Amended vide G S R 109 (E) dated 14-2-2003.

: Persons with Disabilities (Equal opportunities, Protection of Rights and full participation Act 1995 No 1 of 1996 w. e .f. 1-1-1996.Published in Gazette of India Part II Sec I extra ordinary dated 1-1-1996.

: National Trust for Welfare of Persons with Autism Cerebral Palsy, Mental Retardation and Multiple Disabilities Act 1999.Act 44 of 1999. Published in Gazette of India Part II Sec E extra ordinary dated 30-12-1999.

*: Juvenile Justice(Care **&**Protection of children) Amendment Act,2006 notified in the Gazette of India on 23rd August 2006.*

: Child Protection-A Hand book for teachers Ministry of women and child development.2006.

: Annual Report- 2007-2008 Ministry of women and child development..

: National Guidelines on Infant & Young Child Feeding .Ministry Of Women &Child Deployment & Food and Nutrition Board.